न्यूज़ बुलेटिन

(NEWS BULLETIN)

वर्ष : 2 | अंक : 3 |01 जुलाई – 31 दिसम्बर 2020

राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बिलासपुर, (रामपुर) उ0प्र0

स्थापना वर्ष :1997

Certified ISO : 9001:2015

प्राचार्य की कलम से...

रामपुर जनपद की तहसील बिलासपुर में स्थित राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बिलासपुर (रामपुर) उ.प्र.,, कई दशकों से उत्तम शैक्षणिक वातावरण के साथ देश व प्रदेश के छात्र छात्राओं को शिक्षित कर उनको मानवता और नैतिकता के गुणों से परिपूर्ण कर रहा है। राजकीय महाविद्यालय कार्य कौशल को अधतन आयामों के साथ प्रस्तुत करने वाला वह चैतन्य चैत्य है जहां विद्यार्थी और शिक्षक सब एक दूसरे के अद्वितिय व्यवहार और चरित्र के अनुगामी और अनुकर्ता हैं। हमारा राजकीय महाविद्यालय मात्र ईट और गारे की निर्जीव इमारत भर नहीं है बल्कि जीवन जागरण का एक रश्मि पुरुष है। इसके साथ ही इस न्यूज बुलेटिन के माध्यम से मैं छात्र–छात्राओं को ध्यान गीता की इस पंक्ति **'श्रद्धावान लभते ज्ञानम्....'** की ओर आकर्षित कराते हुए उन्हें संदेश देना चाहता हूँ कि समाज में व्याप्त विसंगतियों और कुरीतियों के कारण जो समाज में विद्वेष और असंतोष पनप रहा है उसका एकमात्र हल उनके श्रद्धावान हुए बिना नहीं हो सकता है क्योंकि जब तक उनके अंदर अपने माता–पिता, गुरुजनों और समाज की परंपराओं के प्रति श्रद्धा की भावना, परिश्रम करने में उनका विश्वास और धैर्य नहीं होगा तब तक आज की विषम परिस्थितियों में सफलता से उनका साक्षात्कार कठिन होगा। मैं न्यूज़ बुलेटिन के तृतीय अंक के प्रकाशन में सहयोग देने के लिए प्रधान संपादक, संपादक मण्डल के समस्त सदस्य, मुद्रक एवं अन्य सभी परोक्ष और अपरोक्ष सहयोगियों का हृदय से आभारी हूँ साथ ही उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित करता हूँ।

प्रो०(डॉ०) आर० पी० यादव
प्राचार्य

स्वंतन्त्रता दिवस समारोह (15 अगस्त 2020)

राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बिलासपुर (रामपुर) में भारतीय स्वाधीनता के 74 वे पावन पर्व पर प्राचार्य (प्रा०)डॉ०आर०पी० यादव जी द्वारा ध्वजारोहण किया गया और राष्ट्रगान प्रस्तुत किया गया। महाविद्यालय परिसर में उपस्थित प्राध्यापकों, कर्मचारियो,छात्र–छात्राओं के साथ सामाजिक दूरी का पालन करते हुए कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के समारोहक डॉ० अब्दुल लतीफ द्वारा निदेशक, उच्च शिक्षा उत्तर प्रदेश प्रयागराज के संदेश का वाचन किया गया। इस अवसर पर बोलते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो०,(डॉ०) आर० पी० यादव जी ने कहा कि आज देश को आजाद हुए 74 वर्ष हो गए लेकिन आज भी हमारे देश मे सदूर ग्रामीण अंचलों में मूलभूत सुविधाओं का अभाव है। सरकार विकास के लिये पर्याप्त धन दे रही है, लेकिन व्यवस्था की खामी के कारण वह धन वहाँ तक नही पहुँच रहा है। इस कमी को दूर करने की आवश्यकता है। साथ ही उन्होंने कोरोना महामारी से बचाव, साफ–सफाई, सामाजिक दूरी के साथ आरोग्य सेतु एवं आरोग्य कवच को प्रत्येक छात्र–छात्रा से डाउनलोड करने की अपील की। इस अवसर पर महाविद्यालय परिसर में स्वच्छता अभियान भी आयोजित किया गया जिसमें महाविद्यालय परिसर में फलदार एवं फूलदार पौधों का रोपण किया गया। महाविद्यालय द्वारा इस अवसर पर ऑनलाइन निबंध प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया जिसका विषय **शिक्षा जगत में नैतिकता एवं सामाजिक सरोकार की आवश्यकता था**। इस प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर रोहित गंगवार एवं महेंद्र सिंह रहे। द्वितीय स्थान पर राजकुमार रस्तोगी एवं तृतीय स्थान पर प्रतिभा मौर्य रही। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर (डॉ०) आर, पी, यादव जी ने सभी विजयी प्रतिभागिओ को पुरस्कृत किया। इस अवसर पर महाविद्यालय का समस्त स्टॉफ उपस्थित रहा। कार्यक्रम का संचालन समारोहक डॉ० अब्दुल लतीफ़ द्वारा किया गया।

पर्यावरण क्लब द्वारा वृक्षारोपण कार्यक्रम

वर्ष 2020–21 में उत्तर प्रदेश शासन द्वारा वृक्षारोपण हेतु निर्धारित लक्ष्य के दृष्टिगत् रखते हुये राजकीय महाविद्यालय, बिलासपुर में दिनांक 5 जुलाई 2020 को 625 पौधे रोपित किये गये, जिसमें सागौन, अमरूद, जामुन, कंजी, अर्जुन सम्मिलित थे, वृक्षारोपण कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो० (डॉ०) आर० पी० यादव, पर्यावरण प्रभारी डॉ० निशा वर्मा सहित सभी शिक्षकों द्वारा सक्रिय सहभागिता की गयी। वृक्षारोपण के पश्चात् शासन के निर्देशानुसार वृक्षों पर ट्रीगार्ड लगाकर सुरक्षित किये गये तथा वृक्षारोपण प्रक्रिया की फोटोग्राफी एवं वीडियोग्राफी की गयी तथा वन विभाग उ०प्र० के ऐप पी०एम०एस० ऐप के द्वारा जियो टैगिंग के साथ अपलोड कर दी गयी।

सम्पादक की कलम से...

उत्तर कोरोना समय में उच्च–शिक्षा के सामने कई चुनौतियाँ मुँह वायँ खड़ी है। ऐसे समय में उच्च–शिक्षा की शिक्षण पद्धति, परीक्षा के कार्य, मूल्यांकन की पद्धति में नए रुपान्तरण लाकर अपनी उच्च–शिक्षा को इस समय में अवस्थित करना है। साथ हीं हमें दुनिया के बड़े उच्च शिक्षण संस्थाओं के सामानांतर अपने को मजबूत एवं आकर्षक बनाना है। उच्च शिक्षा को समाहारी बनाएँ रखने के लिए भारतीय समाज के उपेक्षित एवं अति उपेक्षित समूहों को भी डिजिटल रुपांतरण से जोड़ना होगा। ऐसा लगता है कि भविष्य में उच्च–शिक्षा में शिक्षण एवं शोध, जीवंत चेहरों की उपस्थिति बोर्ड एवं स्क्रीन में बदल जायेगी। इस प्रक्रिया में मानवीय चेहरे सीधे नहीं रहेंगे, इसमें शिक्षक भी होंगें और छात्र भी, पर दोनों स्क्रीन पर होंगें और यह भी संभव है कि हमारी सामाजिकता भी स्क्रीन पर टंग जाएँ।

गत जुलाई माह से दिसम्बर 2020 तक महाविद्यालय की गतिविधियों को अपने अन्दर समेटे हुये यह 'न्यूज–बुलेटिन आपके हाथों में सौंपते हुये अत्यन्त गर्व और हर्ष से अभिभूत हूँ। राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय बिलासपुर (रामपुर) की गतिविधियों का लिखित रोजनामचा है यह 'न्यूज–बुलेटिन'। वक्त की स्लेट पर बदलती इबारतों हरकतों और अनगिनत करवटों को अपने में सजोने, सहजने की कोशिश भर है यह 'न्यूज बुलेटिन'। बदलते वक्त के साथ ढलान पर ठहरी हुई जिन्दगी में एक बार फिर सिंहरन दौड़ गई है, लेकिन एक भय, व्याकुलता और घबराहट के साथ। भविष्य में जिंदगी अतीत की तहों को खोलकर बारीकी से देखने की कोशिश करेगी, ऐसे में इस न्यूज बुलेटिन के पन्ने उसे एक बार फिर स्मृतियों के आगोश से बहकर आई सुवासित मन्द समीर सा सहलाने लगेंगे। वक्त की लहर आयेगी और कुछ शंख, कुछ सीपियाँ छोड़ जायेगी – ये आपके उपहार होंगे। चालिए...

" जिन्दगी के समन्दर किनारे चले,
वक्त की लहरों से बाते करें! "

मंगलकामनाओं सहित!

डॉ० अब्दुल लतीफ़
प्रधान संपादक
मो० : 9219258910
ई–मेल : dr.abdulatif74@gmail.com

संकाय संबर्धन कार्यक्रम (Faculty Development Programme)

राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बिलासपुर, रामपुर द्वारा 12 दिवसीय फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम online teaching Learning and Research methodology का शुभारम्भ हुआ। दिनांक 18–29 जुलाई तक चलने वाले इस कार्यक्रम का आगाज सरस्वती वंदना से हुआ। कार्यक्रम के संयोजक प्रो.इंदुभूषण महापात्र जी ने कार्यक्रम के उद्देश्य के बारे में विस्तार से जानकारी दी। तत्तपश्चात महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो० (डॉ०) आर० पी० यादव जी ने सभी अतिथियो एवं प्रतिभागिओ का स्वागत करते हुये कहा कि कोरोना काल मे महाविद्यालय ने वर्क फ्राम होम के अंतर्गत 14 राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय अंतर्जाल संगोष्ठी का आयोजन किया है। इन कार्यक्रम का उद्देश्य ज्ञान के साथ साथ छात्र–छात्राओ एवं प्राध्यापकों को कोरोना काल मे अवसाद से मुक्त करना है और एक हद तक इसमे सफलता भी मिली। कार्यक्रम की मुख्य संरक्षका ,निदेशक ,उच्च शिक्षा उत्तर प्रदेश प्रो० (डॉ०) वंदना शर्मा जी ने कहा कि शिक्षा किसी भी व्यक्ति के विकास और समुदाय की समृद्धि के लिये योगदान देती है। ऑनलाइन शिक्षा प्रणाली में संचार माध्यम का प्रयोग करके शिक्षको एवं छात्रों दोनों के विचारों और भावों का आदान प्रदान करते है। उन्होंने महाविद्यालय परिवार को इस कार्यक्रम को करने के लिये बधाई दी।

दैनिक अवाम-ए-हिन्द

फैकल्टी डेवेलोपडेवलपमेंट प्रोग्राम के चौथे दिन चर्चा जारी

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रो० भगवती प्रकाश शर्मा ,कुलपति गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय, ग्रेटर नोएडा ने कहा कि विश्वव्यापी लॉक डाउन के बीच तमाम देशों में ऑनलाइन कक्षाओं और इंटरनेट से पढ़ाई पर जोर है। हमारा देश भी इससे अछूता नही है जहाँ ऑनलाइन शिक्षा की जरूरत और उसके कारोबार के बीच डिजिटल विभाजन जैसे मुद्दे है। उन्होंने कहा कि आज जरूरत है हम तकनीक को मजबूत करें। जब तक हमारे पास बेहतर तकनीक नही होगी हम ऑनलाइन शिक्षण में सफल नही हो सकते। मुख्य वक्ता के तौर पर कार्यक्रम में मौजूद रही श्रीमती मृदुला राकेश जादव ,असिस्टेंट प्रोफेसर, हरिहंत कॉलेज पुणे (महाराष्ट्र) ने google drive,various converter, google forms and quiz formation विषय पर बहुत ही सार्थक एवं सारगर्भित विचार प्रस्तुत किये। उन्होंने कहा कि ई–लर्निंग दूरस्थ शिक्षा का एक रूप है। जहाँ शिक्षक के पास टयूटर की भूमिका कम रहती है और उसकी शिक्षा में छात्र का योगदान अधिक रहता है।। उन्होंने कहा कि किस प्रकार तकनीक हमारे जीवन मे परिवर्तन ला रही है। उन्होंने विस्तार से गूगल ड्राइव ,गूगल शीट्स ,पीडीएफ फाइल ,एवं पीपीटी आदि की विस्तार से जानकारी दी । साथ ही गूगल फर्म्स और क्विज को किस प्रकार बनाये इसकी भी जानकारी प्रदान की। अंत में प्रतिभागिओं के प्रश्नों के बेवाकी से उत्तर भी दिये। कार्यक्रम का संचालन कार्यक्रम के आयोजन सचिव डॉ० अब्दुल लतीफ ने किया और धन्यवाद ज्ञापन डॉ० पी०के० गर्ग जी ने किया। इस अवसर पर कार्यक्रम समन्यवयक डॉ० हेमन्त कुमार ,आयोजन सचिव डॉ० दिव्यांशु कुमार सहित महाविद्यालय का समस्त स्टाफ उपस्थित रहा। फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम में देश के विभन्न प्रान्तों से 8200 प्रतिभागिओ ने पंजीकरण कराया है। कार्यक्रम का समापन वंदेमातरम की प्रस्तुति के साथ हुआ।

FDP के चौथे दिन वीडियो रिकॉर्डिंग और एडिटिंग टूल्स पर हुई चर्चा

नैक कार्यशाला (NAAC Workshop)

उच्च शिक्षा में गुणवत्ता सुधारने पर दिया जोर

रामपुर। राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में चौथे सात दिवसीय आनलाइन चल रही नैक (राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद) कार्यशाला का समापन हो गया। कार्यक्रम में अंतिम दिन नैक की प्रक्रिया को समझाने के तौर तरीके जाने गए साथ ही उच्च शिक्षा में गुणवत्ता सुधारने पर जोर दिया गया।

नैक कार्यशाला का समापन

महाविद्यालय में दिनांक 02–8 अगस्त 2020 को राष्ट्रीय स्तर की 7 दिवसीय नैक कार्यशाला आयोजित की गई। इस कार्यक्रम में नैक सम्बन्धित सात क्रेटेरिया को विस्तार से वक्ताओं द्वारा बताया गया। इस कार्यशाला के प्रथम दिन नैक के सलाहकार प्रो० अमिय कुमार रथ (बगलुरु), डॉ० दिनेश चन्द्र शर्मा (बादलपुर), डॉ० क्षमा पाण्डेय (रुहेलखण्ड विश्वविद्यालय, बरेली), डॉ० अरुण कुमार सक्सैना (रज़ा कॉलिज, रामपुर), सुश्री गीता आर० शर्मा (सेवापुरी, बनारस), प्रो० (डॉ०) एस० के० बराल (मध्य प्रदेश) और डॉ० संकटा प्रसाद शुक्ला (रीवा, मध्य प्रदेश) ने इस राष्ट्रीय नैक कार्यशाला में अपने विचार व्यक्त किये। इस कार्यशाला की मुख्य अतिथि नैक बगलुरु की सहायक सलाहकार डॉ० विनीता साहू, मुख्य संरक्षक प्रो०(डॉ०) वन्दना शर्मा, निदेशक उच्च शिक्षा, प्रयागराज एवं संरक्षक प्रो०.(डॉ०) आर० पी० यादव, समन्वयक डॉ० नीलिमा सिंह, संयोजक प्रो० इन्दुभूषण महाप्रात्र और आयोजन सचिव डॉ० अवतार दीक्षित रहें।

राष्ट्रीय ई–संगोष्ठी (दिनांक 21–23 अगस्त 2020) विषय – राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020

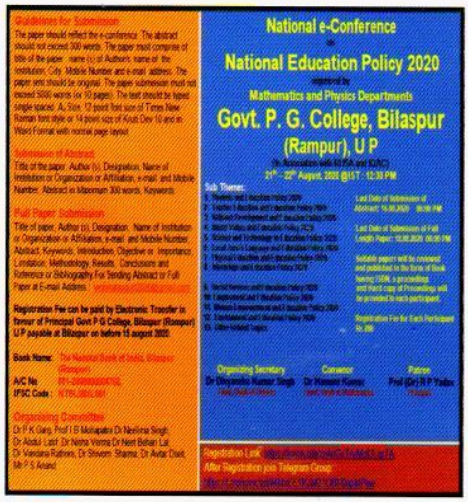

महाविद्यालय के गणित विभाग और भौतिकी विभाग द्वारा दिनांक 21 से 23 अगस्त 2020 को **राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 विषय** पर तीन दिवसीय राष्ट्रीय ई–संगोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों द्वारा प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया। इस राष्ट्रीय ई–संगोष्ठी में एन.सी.ई.आर.टी. के पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो० (डॉ०) एस० के० यादव ने वक्ता के रूप में अपने विचार व्यक्त किये। इस संगोष्ठी की मुख्य अतिथि / मुख्य संरक्षक प्रो० (डॉ०) वन्दना शर्मा, निदेशक उच्च शिक्षा उ०प्र० प्रयागराज रहीं। इस संगोष्ठी में तीन तकनीकी सत्र का आयोजन किया गया। प्रथम तकनीकी सत्र की अध्यक्षता पूर्व निदेशक उच्च शिक्षा, उ०प्र० प्रो० (डॉ०) आर० के० बसलस, द्वितीय तकनीकी सत्र की अध्यक्षता पूर्व निदेशक उच्च शिक्षा, उ०प्र० प्रो० (डॉ०) नवेद बहार खान, तृतीय तकनीकी सत्र की अध्यक्षता इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय ट्राइबल विश्वविद्यालय अमर कंटक, मध्य प्रदेश ने की। इस संगोष्ठी के संरक्षक/प्राचार्य प्रो० (डॉ०) आर० पी० यादव, संयोजक डॉ० हेमन्त कुमार और आयोजन सचिव श्री दिव्यांशु कुमार सिंह रहे।

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के जन्मदिन पर कार्यक्रम (17 सितम्बर 2020)

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के जन्मदिन के अवसर पर राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय बिलासपुर, रामपुर मे पीपल के पौधों का रोपण ऑनलाइन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि महात्मा ज्योतिबा फुले रुहेलखंड विश्वविद्यालय बरेली के कुलपति प्रोफेसर के पी सिंह एवं विशिष्ट अतिथि श्री अशोक श्रोती एवं डॉ० अंशुमाली शर्मा, कार्यक्रम समन्वयक डॉ० सोम पाल सिंह रहे। प्राचार्य प्रो० (डॉ०) आर.पी.यादव ने पीपल के वृक्षों का रोपण किया । इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डॉ० शिवओम शर्मा, डॉ०पी के.गर्ग, प्रो. आई बी महापात्र, डॉ० नीलिमा सिंह, डॉ०अब्दुल लतीफ, डॉ० निशा वर्मा, डॉ० हेमंत कुमार, डॉ० नीत विहारी लाल, डॉ० वंदना राठौर, डॉ० अवतार दीक्षित, डॉ० दिव्यांशु कुमार,श्री पी एस आनंद एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के छात्र/छात्राए उपस्थित रहे ।

राष्ट्रीय ई–कार्यशाला (दिनांक 05–09 सितम्बर 2020) विषय –राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के सन्दर्भ में कॉलिज शिक्षा के बदलते परिदृश्य

राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बिलासपुर (रामपुर) द्वारा दिनांक 05 से 09 सितम्बर 2020 को राष्ट्रीय ई–कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसका विषय **"राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के सन्दर्भ में कॉलिज शिक्षा के बदलते परिदृश्य"**। पांच दिवसीय ई–कार्यशाला में देश के विभिन्न शिक्षाविदों ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति – 2020 पर अपने विचार व्यक्त किये। जिसमें प्रो० डॉ० सुन्दर लाल (पूर्व कुलपति बी.एस.एस., पूर्वांचल विश्वविद्यालय जौनपुर, उ.प्र.) ने

कार्यशाला की अध्यक्षता की। मुख्य अतिथि के रूप में सुयंक्त सचिव, उच्च शिक्षा उ.प्र. प्रो० डॉ० अमित भारद्वाज थे और मुख्य संरक्षक के रूप में निदेशक उच्च शिक्षा, उ.प्र. प्रयागराज प्रो० डॉ० वन्दना शर्मा उपस्थित रहीं। इस राष्ट्रीय ई–कार्यशाला में प्रख्यात वक्ता के रूप में पं० दीनदयाल उपाध्याय, राजकीय महिला डिग्री कॉलिज, सेवापुरी, बनारस की सुश्री गीता आर. शर्मा, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के उर्दू विभाग के प्रो० जिया–उर–रहमान सिद्दीकी, इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय ट्राईबल विश्वविद्यालय अमर कण्टक, मध्य प्रदेश के प्रो० डॉ० एस. के. बाराल, विशिष्ट वक्ता के रूप में पूर्व प्राचार्य के.बी.एस. मनखुर्द, मुम्बई की सुश्री इन्दिरा डी. जैन, प्रो० अमर सिंह, मध्य प्रदेश, डॉ० सत्यभान यादव राजस्थान, डॉ० प्रमोद कुमार राय, उड़ीसा, डॉ० आकाश वर्मा आदि शिक्षावदों ने इस राष्ट्रीय कार्यशाला में अपने विचार व्यक्त किये। इस राष्ट्रीय कार्यशाला के संयोजक प्रो० इन्दुभूषण महापात्र, सह–संयोजक डॉ० हेमन्त कुमार, आयोजन सचिव डॉ० अब्दुल लतीफ़ एवं श्री दिव्यांशु कुमार रहें।

हिन्दी दिवस के अवसर पर एक दिवसीय राष्ट्रीय ई–संगोष्ठी का आयोजन (दिनांक 14 सितम्बर 2020) 21वीं सदी में हिन्दी का भविष्य, चुनैतियों एवं सम्भावनाएँ)

महाविद्यालय में हिंदी दिवस के अवसर पर हिंदी विभाग द्वारा ''**21 वी सदी में हिंदी का भविष्य ,चुनौतियाँ और संभावनाएं**'' विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय ई–संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि गगनांचल अंतरराष्ट्रीय पत्रिका के संपादक डॉ० आशीष कधवे जी ने कहा कि वही भाषा जीवित रहती है जिसका हम प्रयोग करते है।हमे हिंदी के प्रति अपने दिल मे सम्मान पैदा करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि हमे देश की सभी भाषाओं की बेहतरी की बात करनी चाहिये तभी हिंदी भी सशक्त होगी। विशेष वक्ता के रूप में बोलते हुये लाल बहादुर शास्त्री शिक्षा महाविद्यालय बेंगलुरु (कर्नाटक) के प्राचार्य प्रोफेसर इश्फाक अली ने कहा कि हमे हिंदी को एक मिशन के रूप में आगे बढ़ाना चाहिये।उन्होंने उत्तर प्रदेश राज्य के साथ साथ हिंदी प्रदेशो में हिंदी की स्थिति पर प्रकाश डाला। विशेष वक्ता के रूप में बोलते हुए अलीगढ़ मुस्लिम विश्विद्यालय ,अलीगढ़ हिंदी विभाग के प्रोफेसर शम्भूनाथ तिवारी जी ने कहा कि आज जरूरत है कि हम राजभाषा दिवस मनाए। उन्होंने कहा कि आजादी की लड़ाई जिस भाषा को लेकर लड़ी गई उसे आजादी के बाद वह सम्मान नही मिल पा रहा है, यह चिंता का विषय है। कार्यक्रम के विशिष्ट वक्ता केंद्रीय हिंदी संस्थान आगरा के नवीकरण एवं भाषा प्रसार विभाग के प्रोफेसर डॉ० उमापति दीक्षित जी ने कहा कि बीसवीं सदी के अंतिम दो दसको में हिंदी का अन्तर्राष्ट्रीय विकास बहुत तेजी से हुआ। वेब ,विज्ञापन,संगीत ,सिनेमा और बाजार के क्षेत्र में हिंदी की मांग जिस तेजी से बड़ी है शायद ही किसी और भाषा मे ऐसा हुआ हो।लगभग 150 विश्विद्यालय और सैकड़ो छोटे बड़े संस्थानों में शोध स्तर तक हिंदी के अध्ययन–अध्यापन की व्यवस्था हुई है। विशिष्ट वक्ता के रूप में बोलते हुए राजकीय रजा स्नातकोत्तर महाविद्यालय रामपुर के पूर्व हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ० दिलीप पांडेय ने भक्तिकाल से लेकर आधुनिक काल तक हिंदी के स्वरूप पर प्रकाश डाला।उन्होंने कहा कि आज हिंदी सोशल मीडिया के माध्यम से महानगरों से निकलकर गावँ कस्वे तक पहुच गयी है।उन्हीने हिंदी के प्रयोग पर अपनी चिंता का इजहार किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे जयपुर बैंक आफ बड़ोदा के पूर्व शिक्षण प्रमुख श्री सुबह सिंह यादव जी ने कहा कि यह विड़बना है कि आज भी हमारे न्यायालय की भाषा अंग्रेजी है और कानून की पढ़ाई भी अंग्रेजी में होती है।उन्होंने कहा कि सर्वोच्च न्यायालय से परामर्श करके न्यायालय के निर्णय को भी हिंदी में लिखाने की जरूरत है। अन्त में प्रो.इंदुभूषण महापात्र ने आज के वक्तव्य पर अपना अभिमत दिया। कार्यक्रम का संचालन आयोजन सचिव डॉ० अब्दुल लतीफ ने किया। इस अवसर पर संगोष्ठी के संयोजक डॉ० हेमन्त, समन्यवक प्रो० दिव्यांशु कुमार सिंह, मध्यप्रदेश से शुभाष हार्डिकर,आगरा से संतोष कुमार जी, पूर्व सयुक्त सचिव डॉ० अश्वनी कुमार गोयल आदि सहित महाविधालय का समस्त स्टाफ उपस्थित रहा।

जिसका विषय"21 वीं सदी में हिंदी का भविष्य,चुनौतियां और संभावनाएं" रहा।

रामपुर। राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय,कुंआखेड़ा बिलासपुर में हिंदी दिवस के अवसर पर हिंदी विभाग द्वारा एक दिवसीय राष्ट्रीय ई संगोष्ठी का आयोजन किया गया।जिसका विषय"21 वी सदी में हिंदी का भविष्य,चुनौतियां और संभावनाएं" था।कार्यक्रम का शुभारम्भ माँ सरस्वती की वंदना से किया गया।कार्यक्रम के आयोजन सचिव डॉ अब्दुल लतीफ ने विषय की उपयोगिता एवं प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला।सत्यभूत महाविधालय के प्राचार्य

राष्ट्रीय ई–संगोष्ठी (दिनांक 30 सितम्बर 2020)
राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के सन्दर्भ में राष्ट्रीय एकता में भाषा एवं संस्कृति की भूमिका

दिनांक 30 सितम्बर 2020 को महाविद्यालय द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के सन्दर्भ में राष्ट्रीय एकता में भाषा एवं संस्कृति की भूमिका विषय पर राष्ट्रीय ई–संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस राष्ट्रीय ई–संगोष्ठी की मुख्य अतिथि भगत फूल सिंह, महिला विश्वविद्यालय सोनीपत, हरियाणा की कुलपति प्रो० (डॉ०) सुषुमा यादव, मुख्य संरक्षक प्रो० (डॉ०) अमित भारद्वाज, निदेशक उच्च शिक्षा, प्रयागराज, उ०प्र०, विशिष्ठ वक्ता के रूप में प्रो० (डॉ०) अनुराधा तिवारी, लखनऊ, प्रो० (डॉ०) उमापति दीक्षित, केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा, प्रो० (डॉ०) शैलेन्द्र लन्डे, नागपुर, डॉ० प्रदीप रावप्पा, महाराष्ट्र और डॉ० सैय्यद मो० अशरद रिज़वी, रामपुर आदि ने इस राष्ट्रीय ई–संगोष्ठी में अपने विचार वक्त किये।

इस राष्ट्रीय ई–संगोष्ठी के आयोजन सचिव डॉ० अब्दुल लतीफ़ और श्री दिव्यांशु कुमार सिंह, समन्वयक डॉ० हेमेन्त कुमार एवं संयोजक प्रो० इन्दुभूषण महापात्र रहे। कार्यक्रम का संचालन आयोजन सचिव डॉ० अब्दुल लतीफ़ ने किया।

महात्मा गांधी एवं लाल बहादुर शास्त्री जयन्ती (दिनांक 02 अक्टूबर 2020)

राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बिलासपुर (रामपुर) में आज राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी की 151 वीं जयंती एवं देश के दूसरे प्रधानमंत्री श्री लाल बहादुर शास्त्री जी की जयंती के अवसर पर महाविद्यालय में स्टॉफ क्लब के तत्वावधान में महाविद्यालय में प्रात: 8:45 बजे महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो0 (डॉ0) आर0 पी0 यादव जी द्वारा ध्वजारोहण किया गया तत्तपश्चात् राष्ट्रगान प्रस्तुत किया गया। इस अवसर पर प्राचार्य प्रो0 (डॉ0) आर0 पी0 यादव जी द्वारा सत्य, अंहिसा और स्वच्छता की शपथ दिलाई गई। राष्ट्रीय सेवा योजना रोवर्स–रेंजर्स एवं महाविद्यालय के प्राध्यापकों द्वारा वृक्षारोपण एवं श्रमदान भी किया गया। प्रात: 9:00 बजे महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो0 (डॉ0) आर0 पी0 यादव सहित महाविद्यालय के प्राध्यापकों, अतिथियों एवं छात्र/छात्राओं द्वारा महात्मा गांधी एवं श्री लाल बहादुर शास्त्री के चित्र का अनावरण किया गया और उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किये गये। इस अवसर पर महाविद्यालय में सर्वधर्म प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया, जिसमें गीता का पाठ डॉ0 शिवओम शर्मा, कुरान शरीफ का पाठ डॉ0 अब्दुल लतीफ, बाईबिल का पाठ–डॉ0 हेमेन्त कुमार एवं गुरुवाणी का पाठ छात्र सुखविन्दर सिंह द्वारा किया गया। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं श्री लाल बहादुर शास्त्री जी के व्यक्तित्व एवं कृतिव्य पर वक्ताओं द्वारा प्रकाश डाला गया। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो0 (डॉ0) आर0 पी0 यादव जी ने कहा कि भारतीय स्वाधीनता संग्राम के महानामक, सत्याग्रह तथा अंहिसा आन्दोलन के जनक, भारत की राजनैतिक, सामाजिक एकता व समरसता के सूत्रधार एवं आधुनिक राष्ट्र के स्वप्न को साकार रूप प्रदान करने वाले महात्मा गांधी जी का जन्मदिन उनके आदर्शों, सिद्धान्तों व सद्विचारों के प्रति समर्पित होने का अवसर प्रदान करता है। इस अवसर पर उन्होंने छात्र/छात्राओं एवं अभिभावकों को राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में अमूल चूल परिवर्तनों के बारे में भी विस्तार से जानकारी दी। इस अवसर पर बोलते हुए डॉ० अब्दुल लतीफ़ ने कहा कि वैश्विक स्तर पर व्याप्त हिंसा, मतभेद, वेरोजगारी, मँहगाई तथा तनावपूर्ण वातावरण में आज बार–बार यह प्रश्न उठाया जा रहा है कि गांधीजी के सत्य–अहिंसा पर आधारित दर्शन और विचारों की कितनी प्रासंगिकता है। जैसे–जैसे विश्व हिंसा, आर्थिक मंदी, भूख, बेरोजगारी और नफ़रत जैसे तमाम हालात में उलझता जा रहा है, वैसे–वैसे दुनिया को न केवल गांधी के दर्शन याद आ रहे हैं बल्कि गांधी दर्शन को आत्मसात करने की आवश्यकता भी बड़ी सिद्धान्त से महसूस की जा रही है।

डॉ0 नीलिमा सिंह ने इस अवसर पर लिंग समानता पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि आज महिला और पुरूष में कोई भेद नहीं हैं, सब एक समान हैं। आज महिलाओं ने प्रत्येक क्षेत्र में अपनी उपस्थिति बनाई है और हमारी राज्य सरकार एवं केन्द्र सरकार इस दिशा में अनेक कार्य कर रहे हैं। डॉ0 निशा वर्मा ने गांधी जी का मिशन स्वच्छता एवं सौन्दर्य पर प्रकाश डाला। डॉ0 हेमन्त कुमार ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के बारे में विस्तार से प्रकाश डाला इस अवसर पर महाविद्यालय द्वारा ऑनलाइन क्विज एवं निबन्ध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसका विषय था–''**वर्तमान सन्दर्भ में गांधी जी के विचारों की प्रासंगिकता**''इस प्रतियोगिता में बी0ए0 प्रथम वर्ष के महेन्द्र सिंह ने प्रथम, बी0एस0सी0 तृतीय वर्ष की रंगोली तिवारी एवं आरीशा वेग ने द्वितीय एवं रोहित गंगवार ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। सन्त्वना पुरस्कार गुरप्रीत सिंह को दिया गया। इस अवसर पर शहर से आए हुये अतिथियों को भी सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन महाविद्यालय के समारोहक एवं स्टॉफ क्लब के सचिव डॉ0 अब्दुल लतीफ ने किया।

आन्तरिक गुणवत्ता मूल्यांकन समिति (IQAC) की बैठक

दिनांक 27 अगस्त एवं 7 अक्टूबर 2020 को महाविद्यालय की आन्तरिक गुणवत्ता मूल्यांकन समिति की बैठक आयोजित की गयी। जिसकी अध्यक्षता प्राचार्य प्रो०(डॉ०) आर० पी० यादव द्वारा की गयी। बैठक में आई.क्यू.ए.सी. समिति के सभी सम्मानित सदस्यों के द्वारा विचार विमर्श कर महाविद्यालय के लिए भविष्य का एजेंडा तैयार किया गया। जिसके अन्तर्गत पूर्व बैठक में लिये गये निर्णय पर विचार हुआ साथ ही लॉकडाउन में महाविद्यालय में विभिन्न गीतिविधियाँ, प्रवेश प्रक्रिया, कोविड–19 में शिक्षण कार्य, संस्थान के विकास हेतु योजना, नैक तैयारी की प्रगति रिपोर्ट एवं विभिन्न नवीन विषयों एवं व्यावसायिक पाठ्यक्रमों की शुरुआत तथा महाविद्यालय में शिक्षण एवं शिक्षणेत्तर गतिविधियों पर विचार किया गया। इस अवसर पर आई.क्यू.ए.सी. के सभी सम्मानित सदस्य उपस्थित रहें। बैठक के अन्त में आई.क्यू.ए.सी. की समन्वयक डॉ० नीलिमा सिंह ने सभी का आभार व्यक्त किया।

विश्व हाथ धुलाई दिवस (दिनांक 15 अक्टूबर 2020)

शिक्षा निदेशक उच्च शिक्षा, प्रयागराज,उ०प्र० के पत्र संख्या 4092/सत्तर–3–2020–08(51)2020 दिनांक 13 अक्टूबर 2020 के अनुपालन में महाविद्यालय द्वारा दिनांक 15 अक्टूबर 2020 को विश्व हाथ धुलाई पर राष्ट्रीय ई–संगोठी का आयोजन किया गया। इस राष्ट्रीय ई–संगोष्ठी की समन्वयक डॉ० नीलिमा सिंह एवं आयोजन सचिव डॉ० निशा वर्मा, डॉ० शिवओम शर्मा एवं प्रो० दिव्यांशु कुमार सिंह रहें।

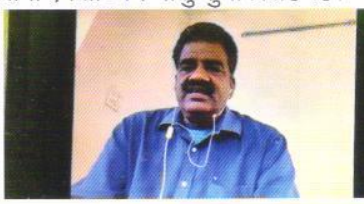

मिशन शक्ति कार्यक्रम (दिनांक 17 से 25 अक्टूबर 2020)

अपर मुख्य सचिव, उच्च शिक्षा, उत्तर प्रदेश शासन, लखनऊ के प्रेत्राक संख्या 5120/सत्तर–3–2020;08(51)/2020 दिनांक 15 अक्टूबर 2020 के अनुपालन में महाविद्यालय द्वारा महिलाओं और बलिकाओं की सुरक्षा एवं सम्मान के लिये मिशन शक्ति कार्यक्रम का आयोजन वृहद स्तर पर किया गया। दिनांक 17 – 25 अक्टूबर 2020 तक महाविद्यालय द्वारा महिलाओं एवं बालिकाओं की सहभागिता, सम्मान एवं आत्म–सुरक्षा तथा पोक्सो एक्ट एवं महिला अपराध सम्बन्धी कानूनी का वृहद प्रचार–प्रसार के लिये महाविद्यालय द्वारा राष्ट्रीय ई–संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम शारदीय नवरात्र एवं बासन्तिक नवरात्र के मध्य निरंतर जारी रखने के लिये महाविद्यालय द्वारा विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये गये। इन राष्ट्रीय ई–संगोष्ठी में उच्च शिक्षा क्षेत्र के विद्वान वक्ताओं को आमंत्रित किया गया। इस मिशन शक्ति कार्यक्रम की सह नोडल अधिकारी महाविद्यालय की असिस्टेन्ट प्रो० (डॉ०) नीलिमा सिंह रहीं। दिनांक 17–10–2020 को महिला सुरक्षा एवं सम्मान हेतु अनावरण अभियान **'मिशन शक्ति 'महिलाओं की सुरक्षा के' 'विभिन्न कानूनी प्रावधान'** विषय पर वेब संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी का शुभारंभ मां सरस्वती की वंदना द्वारा किया गया। इसके बाद आयोजन सचिव डॉ० अवतार दीक्षित ने कार्यक्रम के विषय पर प्रकाश डाला। इसके पश्चात महाविद्यालय के प्राचार्य एवं कार्यक्रम के संरक्षक प्रो० (डॉ०) आर.पी.यादव ने सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए अपने संबोधन में एक वीडियो के माध्यम से बताया कि सभी को अपने अपने बच्चों को अवेयर करना चाहिए ताकि वो कभी किसी भी महिला के साथ किसी भी प्रकार के अपराध में संलिप्त न रहे। तत्पश्चात कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के तौर पर सम्मिलित श्री राजेश सैनी अधिवक्ता बिलासपुर द्वारा समाज में महिलाओं के साथ हो रहे विभिन्न प्रकार के उत्पीड़नों को विस्तार से बताया गया तथा इन उत्पीड़नों केखिलाफ महिलाओं को प्राप्त विशेष अधिकारों, कानूनी प्रावधानों के बारे में विस्तार से बताया। दूसरे मुख्य वक्ता के तौर पर सम्मिलित श्री नरेन्द्र त्यागी इंस्पेक्टर रामपुर ने बताया कि किस प्रकार महिलाएं एवं लड़कियां समाज में हो रहे अत्याचार एवं उत्पीड़न के समय किस प्रकार पुलिस द्वारा सहायता ली जा सकती है तथा महिला हैल्प लाइन नंबर 1091 की जानकारी दी गई। इसके बाद कार्यक्रम की समन्यवक डॉ० नीलिमा सिंह ने सभी को शपथ दिलाई तथा महिला सशक्तीकरण के बारे में जानकारी दी। तत्पश्चात कार्यक्रम कि आयोजन सचिव डॉ० निशा वर्मा ने भी महिलाओं की

सुरक्षा के कानूनी प्रावधान विषय पर अपने विचार रखे। इस कार्यक्रम में महाविद्यालय के डा.पी.के.गर्ग, प्रो.आई.बी.महापात्र , डॉ० अब्दुल लतीफ, डॉ० हेमंत कुमार, डॉ० नीत बिहारी लाल, डॉ० वंदना राठौर, प्रो० दिव्यांशु कुमार सिंह, श्री पी. एस. आनंद, अभिभावक एवं छात्र छात्राएं उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन आयोजन सचिव डॉ० शिव ओम शर्मा द्वारा किया गया।

दिनांक 22 अक्टूबर 2020, को महिला सुरक्षा एवं सम्मान हेतु अनवरत अभियान "'मिशन शक्ति'' के अंतर्गत **"'महिला सुरक्षा एवं महिला सम्मान हेतु सरकारी योजनाएं'** विषय पर एक राष्ट्रीय वेब– संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी का शुभारंभ सरस्वती वंदना के द्वारा किया गया ।तदुपरांत संगोष्ठी के आयोजन सचिव डॉ० हेमन्त कुमार ने संगोष्ठी के विषय से परिचय कराते हुए कहा कि राज्य सरकार और केंद्र सरकार ने महिलाओं के उत्थान हेतु अनेक योजनाएं एवं कानून बनाये है जिन्हें आज महिलाओं को जानने की आवयश्कता है। इसी क्रम में महाविद्यालय के 'प्राचार्य प्रो (डॉ०) आर.पी. यादव' ने सभी अतिथियों का स्वागत किया ।उन्होंने कहा कि महिलाओं और बेटियो को अपनी सुरक्षा, सम्मान और स्वालंवन के प्रति जागरूक कराने के लिये एक विशेष अभियान की शुरुआत की गई है। आज आवश्यकता है कि बदलते दौर में नई पीढ़ी को अपनी सनातन संस्कृति की परंपरा का वाहक बनाये। संगोष्ठी के मुख्य वक्ता के रूप में बोलते हुए कोलकत्ता कॉलिज की असिस्टेंट प्रोफेसर सुश्री मोमिता विश्वास ने कहा कि जो समाज महिलाओं को सम्मान नही देगा,वह समाज आगे नही बढ़ सकता। उन्होंने कहा कि बच्चे की प्रथम पाठशाला उसकी माँ होती है। आज महिलाओं को अपने अंदर की शक्ति को पहचानने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि शिक्षा के साथ साथ महिलाओं को मार्शल आर्ट की ट्रेंनिग देने की भी जरूरत है। महिलाओं के प्रति बढ़ते अत्याचार पर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि महिलाओं के प्रति अत्याचार को केवल सरकार नही रोक सकती ,इसके लिये जनसहभागिता की आवश्यकता है। भारतीय संविधान में महिलाओं की बेहतरी के लिये जो प्रावधान है,उन्होंने उस पर विस्तार से प्रकाश डाला। दूसरे वक्ता के रूप में उपस्थित डॉ०डौली, ने छात्राओं को महिला सुरक्षा के विभिन्न कानूनी सुझाव एवं उपाय बताये और कहा कि एक महिला होने के नाते आपको यह पता होना चाहिए कि आपको भी कानूनी मदद लेने का अधिकार है और आप इसकी मांग कर सकती हैं। यह राज्य सरकार की जिम्मेदारी है कि वह आपको मुफ्त में कानूनी सहायता मुहैया करवाए। उन्होंने डॉ० आंबेडकर के कथन को याद करते हुए कहा कि यदि हम किसी समाज की उन्नति देखना हो तो ,हम उस समाज की महिलाओं को देखना होगा।उन्होंने संविधान में उल्लेखित न्याय,समता, समानता और स्वन्त्रता को विस्तार से बताया।उन्होंने कहा कि तमाम कानून और संविधान में महिलाओं की बेहतरी के लिये प्रावधान है ,लेकिन महिलाओं को इन कानूनों का दुरुपयोग नहीं करना चाहिये। संगोष्ठी के संयोजक डॉ० अब्दुल लतीफ ने कहा कि सभी महिलाओं को अपनी सुरक्षा हेतु शासन द्वारा समय समय पर जारी हेल्पलाइन नंबरो को फास्ट डायल मोड में रखना चाहिए । कार्यक्रम का संचालन संगोष्ठी के संयोजक डॉ० अब्दुल लतीफ ने कियाऔर अंत मे सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया ।संगोष्ठी में डॉ० पी. के. गर्ग ,डॉ० आई बी महापात्र, डॉ० नीलिमा सिंह, डॉ० निशा वर्मा, डॉ० नीत बिहारी लाल, डॉ० अवतार दीक्षित,डॉ० वंदना राठौर और तकनीकी सहायक आयोजन सचिव श्री दिव्यांशु कुमार सिंह श्री पी एस आनंद, ऑफिस स्टाफ, अभिभावक तथा बड़ी संख्या में छात्राएं उपस्थित रही।

दैनिक अवाम-ए-हिन्द

वेब संगोष्ठी का आयोजन

बिलासपुर डिग्री कालेज में मिशन शक्ति अभियान में राष्ट्रीय

बिलासपुर डिग्री कालेज में वेव संगोष्ठी का आयोजन

डिग्री कॉलेज ने छात्राओं को ऑनलाइन सिखाई मॉर्शल आर्ट

राष्ट्रीय एकता दिवस सरदार बल्लभ भाई पटेल जयंती (31 अक्टूबर 2020)

दिनांक 31–10–2020 को महाविद्यालय द्वारा सरदार बल्लभ भाई पटेल जयंती को राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राध्यापकों एवं छात्र–छात्राओं द्वारा सरदार बल्लभ भाई पटेल व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डाला गया ।इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो० (डॉ०) आर० पी० यादव ने राष्ट्रीय एकता में सरदार बल्लभ भाई पटेल की भूमिका एवं डॉ० अब्दुल लतीफ़ ने सरदार बल्लभ भाई पटेल से जुड़ी ऐतिहासिक घटनाओं पर अपने विचार व्यक्त किये। इस अवसर पर महाविद्यालय द्वारा ऑन–लाइन निबन्ध प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। जिसका विषय था **"राष्ट्रीय एकीकरण में सरदार बल्लभ भाई पटेल का योगदान"**। इस प्रतियोगिता में बी०ए० तृतीय वर्ष के अजय यादव प्रथम, एम० ए० द्वितीय वर्ष की पूनम द्वितीय एवं एम०ए० द्वितीय वर्ष की प्रतिभा मौर्या तृतीय स्थान पर रहीं।

भारत रत्न माननीय अटल बिहारी वाजपेयी जन्म दिवस

अपर मुख्य सचिव उच्च शिक्षा उत्तर प्रदेश शासन लखनऊ के पत्रांक संख्या 5706(1)/सत्तर–3–2020 दिनांक 17 दिसम्बर 2020 के अनुपालन में महाविद्यालय में दिनांक 21 से 25 दिसम्बर 2020 को राष्ट्र निर्माण के पुरोधा देश के लब्ध प्रतिष्ठित हिन्दी कवि, पत्रकार व एक प्रखर वक्ता भारत रत्न माननीय अटल बिहारी वाजपेयी के जन्मदिवस के उपलक्ष्म में ऑनलाइन निबन्ध प्रतियोगिता एवं चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। निबन्ध प्रतियोगिता का विषय था **व्यक्ति के जीवन में धर्म एवं राष्ट्र की भूमिका।** इस प्रतियोगिता में अजय यादव एवं प्रतिभा मौर्या प्रथम स्थान, अरीशा बेग़ द्वितीय स्थान एवं इकरा बी और रंगोली तिवारी ने संयुक्त रूप में तृतीय स्थान प्राप्त किया।

तहसील स्तरीय सहित्यिक महोत्सव (Literary Festival) माह दिसम्बर 2020 से जुलाई 2021 तक

अमर आनंद

अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता बोल के लब आजाद हैं तेरे विषय पर वाद विवाद प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

रामपुर (मुजाहिद खान)। राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय,बिलासपुर (रामपुर) में तहसील स्तरीय साहित्यिक महोत्सव आयोजित किया गया, जिसमे विषय था –अभिव्यक्ति की स्वन्त्रता (बोल के लब आजाद है तेरे) इस विषय पर महाविधालय के छात्र छात्राओं ने अपने विचार व्यक्त किये। राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बिलासपुर में साहित्यक संवाद महोत्सव कार्यक्रम के अंतर्गत एक वाद विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का विषय था 'अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता' 'बोल के लब आजाद है तेरे'। कार्यक्रम का शुभारंभ सह आयोजन सचिव डॉ० शिवओम शर्मा ने सरस्वती वंदना प्रस्तुत कर किया। कार्यक्रम मे बोलते हुए कार्यक्रम के संयोजक डॉ० अब्दुल लतीफ ने आठ माह चलने वाले साहित्यिक महोत्सव के अंतर्गत होने वाले समस्त कार्यक्रमो की विस्तार से छात्रछात्राओ को जानकारी दी। उसके बाद प्रतिभागियो ने पक्ष और विपक्ष मे अपने विचार रखे। इस अवसर पर कार्यक्रम के संयोजक डॉ० अवतार दीक्षित एवं डॉ० वंदना राठौर थे।कार्यक्रम का संचालन डॉ० अब्दुल लतीफ द्वारा किया गया।

कार्यक्रम के अंत मे आयोजन सचिव डॉ० नीत बिहारी लाल ने सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया।कार्यक्रम मे डॉ० निशा वर्मा,डॉ० हेमन्त कुमार,डॉ० दिव्यांशु कुमार सिंह,पी एस आनंद सहित छात्र छात्राएं उपस्थित रही।

अपर प्रमुख सचिव, उ०प्र० शासन, लखनऊ, उच्च शिक्षा अनुभाग–1 के पत्रांक संख्या 2323/सत्तर –1–2020 दिनांक 20–11–2020 के अनुपालन में महाविद्यालय में तहसील स्तरीय साहित्यिक महोत्सव दिनांक 23 दिसम्बर 2020 से जुलाई 2021 तक आयोजित किया जायेगा। दिनांक 23 दिसम्बर 2020 को महाविद्यालय द्वारा वाद–विवाद प्रतियोगित का आयोजन किया गया। जिसका विषय था **"अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता"** **(बोल के लब आज़ाद है तेरे)** इस प्रतियोगिता में

एम०एससी० द्वितीय वर्ष के सालिम अलमासी प्रथम, एम०ए० प्रथम वर्ष की कु० हरप्रीति कौर द्वितीय एवं एम० कॉम० प्रथम वर्ष की कु० सायमीन अन्सारी तृतीय स्थान पर ही। इस कार्यक्रम के आयोजन सचिव डॉ० नीतबिहारी लाल एवं सह आयोजन सचिव डॉ० शिवओम शर्मा, संयोजक डॉ० अब्दुल लतीफ़ एवं सह–संयोजक डॉ० वन्दना राठौर है।

महाविद्यालय को मिला ISO प्रमाणपत्र

BRIT QUALIS

THE MANAGEMENT SYSTEM OF
GOVERNMENT P.G. COLLEGE, BILASPUR (RAMPUR)

has been assessed and found to be in accordance with the requirements of standards detailed below

ISO 9001:2015
QUALITY MANAGEMENT SYSTEM

For the following Scope

TO OFFER EDUCATION FOR UNDERGRADUATE AND POSTGRADUATE COURSES (ONLINE ADMISSION, COMPUTER CLASSES, ENGLISH SPEAKING CLASSES AND PERSONALITY DEVELOPMENT CLASSES)

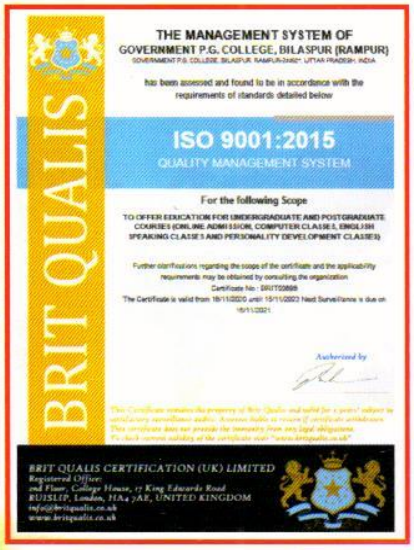

Further clarifications regarding the scope of the certificate and the applicability requirements may be obtained by consulting the organization

Authorised by

BRIT QUALIS CERTIFICATION (UK) LIMITED
Registered Office:
2nd Floor, College House, 17 King Edwards Road
RUISLIP, London, HA4 7AE, UNITED KINGDOM
info@britqualis.co.uk
www.britqualis.co.uk

महाविद्यालय द्वारा छात्र हित को दृष्टिगत रखते हुये निःशुल्क रूप में छात्रों के लिये इंग्लिस स्पीकिंग कोर्स, कम्प्यूटर कक्षायें और व्यक्तिक्त विकास की कक्षाएँ आयोजित की गई साथ ही स्नातक एवं स्नात्तकोतर स्तर पर प्रवेश प्रक्रिया ऑनलाइन की गई। इस उत्कृष्ट कार्य हेतु महाविद्यालय को **ISO** प्रमाण पत्र प्रदान किया गया।

प्रवेश हेतु व्यापक प्रचार–प्रसार

वैश्विक महामारी कोरोना को दृष्ट्रिगत रखते हुये महाविद्यालय द्वारा सत्र 2020–21 के लिये प्रवेश हेतु व्यापक प्रचार–प्रसार किया गया।

मार्शल आर्ट प्रशिक्षण कार्यशाला (दिनांक 17–25 अक्टूबर 2020)

मिशन शक्ति कार्यक्रम के अन्तर्गत महाविद्यालय द्वारा दिनांक 17–25 अक्टूबर 2020 को नौ–दिवसीय ऑनलाइन मार्शल आर्ट प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित की गई। इस कार्यशाला में मार्शल आर्ट प्रशिक्षकों द्वारा छात्राओं को ऑनलाइन प्रशिक्षण दिया गया। इस कार्यक्रम के संरक्षक/प्राचार्य प्रो० (डॉ०) आर. पी. यादव, कार्यक्रम समन्वयक डॉ० नीलिमा सिंह एवं आयोजन सचिव डॉ० निशा वर्मा, डॉ० शिवओम शर्मा, डॉ० अवतार दीक्षित एवं प्रो० दिव्यांशु कुमार सिंह रहें।

संरक्षक
प्रो० (डॉ०) आर० पी० यादव
प्राचार्य

प्रधान सम्पादक
डॉ० अब्दुल लतीफ़
सह-सम्पादक : **डॉ० नीत बिहारी लाल**

सम्पादक मण्डल
प्रो० इन्दुभूषण महापात्र,
डॉ० शिवओम शर्मा, डॉ० वन्दना राठौर